पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने सूचना विभाग की पत्रिका 'नया दौर' के सितम्बर, 2017 अंक का लोकार्पण किया
उर्दू भाषा को संविधान ने भारतीय भाषा के रूप में मान्यता दी है- राज्यपाल
उर्दू जानने वाले 'नया दौर' की सराहना करते हैं-- श्री नाईक

लखनऊः 22 सितम्बर 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रकाशित उर्दू मासिक पत्रिका 'नया दौर सितम्बर, 2017' के अंक का लोकार्पण किया। 'नया दौर' सितम्बर 2017 की पहली प्रति राज्यपाल को प्रमुख सचिव सूचना श्री अवनीश अवस्थी ने भेंट किया। यह अंक राज्यपाल श्री राम नाईक पर केन्द्रित है, जिसमें राज्यपाल का एक विशेष साक्षात्कार भी प्रकाशित हुआ है।

राज्यपाल ने नया दौर की प्रशंसा करते हुए कहा कि पत्रिका सुन्दर और स्तरीय है। आम आदमी से जुड़ने का अच्छा साधन है। उर्दू जानने वाले नया दौर की सराहना करते हैं। उर्दू भाषा को संविधान ने भारतीय भाषा के रूप में मान्यता दी है। उत्तर प्रदेश में उर्दू भाषा को दूसरी अधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि उर्दू महत्व की भाषा है जिसके पास समृद्ध साहित्य है। यह किसी धर्म विशेष की भाषा न होकर आम आदमी की भाषा है।

श्री नाईक ने कहा कि लोगों को राजभवन पहुंचने में असुविधा न हो इसलिए उन्होंने राजभवन के समस्त प्रवेश द्वारों पर हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी में गेट का नम्बर लिखवाया है। प्रदेश की दूसरी अधिकृत भाषा होने के वजह से उन्होंने अपने संस्मरण संग्रह 'चरैवेति! चरैवेति!!' तथा अपनी वार्षिक रिपोर्ट का उर्दू में भी प्रकाशन कराया है। उन्होंने कहा कि वे सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हैं और हर भाषा को उसका उचित स्थान मिलना चाहिए।

प्रमुख सचिव सूचना श्री अवनीश अवस्थी ने बताया कि नया दौर के प्रकाशन को 95 वर्ष हो गये हैं। 1922 में यह पत्रिका 'हमारी जबान' के नाम से प्रकाशित होती थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पत्रिका का नाम 'इत्तेलाआत' हुआ और अन्ततः 1954 में इसको नया नाम 'नया दौर' दिया गया। पत्रिका 'नया दौर' तब से निरन्तर 63 वर्ष से प्रकाशित हो रही है। उन्होंने कहा कि पत्रिका 'नया दौर' का 2022 में शताब्दी वर्ष होगा।

सम्पादक 'नया दौर' श्री सुहेल वहीद ने बताया कि 'नया दौर' काफी लोकप्रिय पत्रिका है और अच्छे साहित्यकारों के लेख इसमें समावेशित किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि आगे इसे और भी स्तरीय बनाने के लिये प्रयास किये जायेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, सचिव श्री चन्द्र प्रकाश सहित उर्दू यूनिट सूचना विभाग के श्री शाहिद कमाल, श्री रिफत आज़मी, सुश्री सबा उर्फी, डा0 सलीम अहमद, श्री वकार हुसैन भी उपस्थित थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (364/36)